केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 211 मंगलवार 25 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

124 केंद्रों पर शुरू हुई यूपी बोर्ड परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। यूपी बोर्ड की कक्षा 10 व कक्षा 12 की परीक्षा आज से शुरू हो चुकी है। इस परीक्षा में जनपद के 401 विद्यालयों के 81025 परीक्षार्थी 124 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दे रहे हैं। इसमें हाई स्कूल के 42196 परीक्षार्थी और इंटरमीडिएट के 38829 परीक्षार्थी शामिल हैं। परीक्षा सकुशल संपन्न कराने के लिए 2,752 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती गई है। इसके अलावा प्रत्येक केंद्र के हिसाब से 124 स्टेटिक मजिस्ट्रेट और 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

गन्ना पर्ची जारी करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। सरदार सेना के हरैया विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अमरजीत चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार अभयराज को ज्ञापन सौंपा। सरदार सेना के कार्यकर्ताओं ने किसानों को गन्ना पर्ची जारी किए जाने की मांग किया। ज्ञापन में कहा गया है कि बमनान चीनी मिल की ओर से गन्ना की उपज से कम सट्टा जारी किया गया है। काफी किसानों को अभी तक गन्ना पर्ची नहीं मिली है। गन्ना पर्ची के अभाव में किसानों का गन्ना खेत में खड़ा है। किसानों का इससे भारी नुकसान होगा। इस समय किसान पर्ची के लिए भटक रहे हैं। किसानों के हित को देखते हुए गन्ना पर्ची दिलवाया जाए। जगजीवन, शिवराम पटेल, अरविंद कुमार पांडेय, राम चंदर, राम जियावन, राजेंद्र व अन्य मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति संसोधन के लिए नई तिथि घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । वित्तीय सत्र 2024–25 हेतु अनुसूचित जातिएअनुसूचित जनजाति एवं सामान्य वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति (शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) व अन्य कार्यो हेतु संशोधित समय सारिणी निर्गत है। उक्त जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव ने बताया कि आगामी 01 से 02 मार्च 2025 तक जिला समाज कल्याण अधिकारी के स्तर से पात्रछात्रों में स्वीकृत सीटों के सापेक्ष लॉक त्रुटिपूर्ण सीटों की संख्या को रिसेट के उपरांत शिक्षण संस्था द्वारा सीटों की सही संख्या को डिजिटल हस्ताक्षर से लॉक एवं 03 से 04 मार्च 2025 तक विश्वविद्यालय ध्फिलिथेटिंग एजेंसी द्वारा एडिट किये गये सीटों की संख्या की प्रमाणिकता को चेक करके सही होने पर डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित करके लॉक किया जायेगा।

हत्या की कोशिश करने के आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता–गोरखपुर। अपहरण व हत्या के प्रयत्न के जुर्म में अपर जनपद न्यायाधीश विजय बहादुर यादव ने झंगहा क्षेत्र के राजधानी टोला सागरबाग निवासी अभियुक्त वकील व राजधानी थरवनवा निवासी अभियुक्त विजय यादव को आजीवन कारावास एवं 41 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों आठ माह 15 दिन का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धीरेंद्र जायसवाल एवं सतीश यादव का कहना था कि वादी सत्येंद्र शर्मा कैंट क्षेत्र के विशुनपुरवा महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर एक का निवासी है। 10 नवम्बर 2015 की दोपहर करीब 2 से 2.30 बजे के करीब वादी के घर निर्माण कार्य चल रहा था। अभियुक्त वकील लेबर का कार्य कर रहा था।वादी का पांच वर्षीय लड़का आदर्श शर्मा बाहर खेल रहा था। थोड़ी देर बाद वादी उसे खाना खाने के लिए खोजने लगा तो आदर्श नहीं मिला। वादी मोहल्ले के लोगों से पूछा तो उन्होंने बताया कि अभियुक्त वकील को आदर्श को साइकिल पर बैठाकर ले जाते देखा है। पांच बजे वादी के भाई धर्मेंद्र कुमार के पास फोन आया कि तुम्हारा बच्चा हमारे कब्जे में है। बच्चे की सलामती चाहते हो तो चार लाख रुपए की व्यवस्था करो और धमकी दी कि रुपया देने में आनाकानी की या पुलिस को सूचना दी तो तुम्हारे लड़के की हत्या कर देंगे।

महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसको वो मिला -सीएम योगी

लखनऊ (आभा)। महाकुंभ को लेकर विपक्षी नेताओं की बयानबाजी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जमकर लताड़ा। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वह नजर आया है। गिद्धों को लाश मिली, सुअरों को गंदगी मिली है। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की सुंदर तस्वीर मिली, आस्थावानों को पुण्य, सज्जनों को सज्जनता मिली, अमीरों को धंधा मिला, गरीबों को रोजगार मिला। भक्तों को भगवन मिले, श्रद्धालुओं को साफ सुधरी व्यवस्था मिली। जिसकी जैसी नियत थी, जैसी दृष्टि थी, उसको वैसी ही व्यवस्था मिली है।

सीएम योगी ने कहा कि सपा के लोग लगातार महाकुंभ पर टिप्पणी करते रहते हैं। इनकी मानसिकता जगजाहिर है। इनको केवल हर चीज का विरोध करना है। सीएम योगी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपको इस बारे में आपत्ति थी कि भाजपा ने संकल्प पत्र और राज्यपाल के अभिभाषण में महाकुंभ को वैश्विक क्यों लिख दिया है। योगी ने कहा कि 2013 में आपको जाने नहीं दिया गया था। इस बार आप गए थे, स्नान किया, सराहना की, वहां की सुविधाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की है। महाकुंभ में विश्वस्तरीय सुविधा नहीं होती तो 63 करोड़ से अधिक श्रद्धालु इसका हिस्सा नहीं बनते। महाशिवरात्रि तक 65 करोड़ की संख्या पार होगी।

सीएम योगी ने कहा कि हमने समाजवादी पार्टी की तरह आस्था से खिलवाड़ नहीं किया। समाजवादी पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री (अखिलेश यादव) को कुंभ की समीक्षा करने की भी फुरसत नहीं थी। एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया था। यही कारण है कि 2013 के कुंभ में जो भी गया उसे अव्यवस्था मिली थी। वहां पर प्रदूषण दिखाई दिया था। तब स्नान करने लायक जल तक नहीं था। मारिशस के प्रधानमंत्री ने स्नान करने से ही इनकार कर दिया था। इस बार देश दुनिया से लोग आ रहे हैं। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति सभी ने स्नान किया है। दुनिया के तमाम देशों से जुड़े लोग महाकुंभ आए हैं। 74 देशों के हेड आफ मिशन भी आए और यहां की व्यवस्थाओं की तारीफ की है।

बस्ती पुलिस की उदासीनता से पीड़ित महिला ने एडीजी से मांगा इंसाफ

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र की बानडीह उर्फ मिश्रौलिया निवासी सुभावती देवी पत्नी वंश बहादुर ने अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर को शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाया है। स्थानीय पुलिस का रवैया ठीक न होने के कारण मजबूर होकर पीड़िता ने अपर पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजा है। सुभावती का कहना है कि वह मायके में रहकर अपने माता–पिता की जमीन पर काबिज है तथा अपना व अपने बच्चों के साथ जीवनयापन कर रही है। विरोधी नन्दलाल पुत्र जगेसर, साकिन बेलाडी रानीपुर थाना–नगर फर्जी तरीके से दीवानी न्यायालय में मुकदमा दाखिल कर बेवजह उनकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मकान निर्माण में आये दिन दखल देते रहते है। उनका कहना है कि 19 फरवरी को अपने सहन पर नीव खोद रही थी कि नन्दलाल और उनकी पत्नी आशा, बेलाडी से आकर उनके घर पर चढ़ गई और गाली देने लगे। डायल 112 बुलाकर काम को रोकने लगे। जेल गेट के चौकी इंचार्ज नन्दलाल ने मां बेटी को जेल भेजने की धमकी देते हुए काम रोकवा दिया। बेटी खुशबू उर्फ अशु को शान्ति भग में चालान कर दिया। बेटी अब गहरे सदमे मे है। इस मामले में सारे सबूत और गवाहों को दरकिनार कर स्थानीय पुलिस परिवार को बार–बार परेशन कर रही है। पीड़ित सुभावती ने निर्माण कार्य करने की अनुमति देते हुए चौकी इंचार्ज सहित सभी पुलिस कर्मियों की जांच कराकर उनके ऊपर कार्यवाही करने की मांग किया है।

शार्ट सर्किट से मोबाइल की दुकान में लगी आग, सामान जलकर राख

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। नगर पंचायत हर्रैया स्थित मोबाइल और सीएसपी की दुकान में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गयी। दुकान में रखा ग्राहक सेवा केंद्र का नगद रुपया सहित मोबाईल व सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर ब्रिगेड के जवानो ने आग पर काबू पाया। नगर पंचायत हर्रैया के वार्ड नौ सम्राट नगर में अमर गुप्ता पुत्र देवी दयाल की संचालित आराध्या मोबाइल शॉप है। रविवार की शाम दुकान बंद कर परिजनो के साथ दुकान के पीछे वाले कमरे में सोने चले गए। सोमवार भोर में शार्ट सर्किट से दुकान में आग लग गया। दुकान में आग लगने से सारे घर में धुआं भर गया। परिजनों की नींद खुली। अमर गुप्ता ने परिजनों को जगाते हुए शोर मचाया। वे घर के दूसरे रास्ते से बाहर निकले। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अमर गुप्ता ने बताया कि दुकान में रखा लैपटॉप, प्रिंटर, कैश काउंटिंग मशीन, लेमीनेशन मशीन, मोबाइल एसेसरीज, एलइडी टीवी दो, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य सामान और ग्राहक सेवा केन्द्र का नगदी जल गया।

डीएम ने कम्पोजिट विद्यालय डारीडीहा का किया आकस्मिक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड सदर के कम्पोजिट विद्यालय डारीडीहा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित रहें, जिसमें 08 सहायक अध्यापिका, 02 अनुदेशिका, 03 शिक्षामित्र (पुरुष) 01 शिक्षामित्र (महिला) है। उक्त विद्यालय मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय के रूप में चयनित है। निरीक्षण के दौरान उन्होने कक्षा–8 की छात्राओं से न्यूटॉन, इलेक्ट्रॉन व प्रोट्रॉन परमाणु व कक्षा–7 की छात्रा से हिन्दी विषय के बारे में पूछा। छात्राओं द्वारा सन्तोषजनक उत्तर दिया गया। उन्होने मध्यान्ह भोजन में बनी रोटी व सब्जी को चख कर देखा और गुणवत्ता ठीक पाया। विद्यालय में पुस्तकालय, विज्ञान लैब, कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट कक्ष आदि का अभी कार्य प्रस्तावित है। उन्होने कार्यदायी संस्था से यथाशीघ्र योजना बनाकर कार्य प्रारम्भ करने को कहा।

अखिल भारतीय समूह सहायता ट्रस्ट ने नौनिहालों का किया उत्साहवर्धन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सुभासपा पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में, उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी एकडेगवा जनपद बस्ती में अखिल भारतीय समूह सहायता ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के तहत निःशुल्क जूता, मोजा, बैग का वितरण किया गया। विद्यालय के चेयरमैन गंगा राम वर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा की इस प्रकार का कार्यक्रम बच्चों का उत्साहवर्धन करते हैं।

इसके साथ ही उन्हे अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर उन्होने संस्था की ओर से किये जा रहे प्रयासों को विस्तार से साझा किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत शोभा प्रसाद चौहान ने कहा नौनिहालों का मनोबल जितना ऊंचा होगा परिणाम उतने ही सुखद होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राम हीरज चौधरी, राम जियावन चौधरी, पूर्व प्रधान कृष्ण कुमार चौधरी, प्रधान जाता करमा संतोष चौधरी, विजय चौहान, रमेश चन्द्र वर्मा, अनिरुद्ध चौधरी, सूरज गौतम, सत्य प्रकाश चौधरी व विद्यालय के सम्मानित अध्यापक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में प्रमोद चौधरी ने सभी के प्रति आभार जताया।

राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने नहीं आया कोई गवाह, टली सुनवाई

सुलतानपुर (आभा)। कांग्रेस पार्टी से रायबरेली के सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मुकदमे में सोमवार को परिवादी का गवाह एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट न्यायालय में नहीं पेश हुआ। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने अगली पेशी छह मार्च को नियत की है। परिवादी के अधिवक्ता ने न्यायालय से प्रार्थना पत्र देकर न्यायालय को अवगत कराया कि साक्षी बीमार हो गये हैं। उन्होंने अवसर मांगा, जिसे मजिस्ट्रेट ने स्वीकार कर लिया है। आपको बता दे कि विशेष लोक अभियोजक वैभव पांडेय ने बताया कि सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी पर विशेष न्यायालय में परिवाद दायर किया था। आरोप है कि 15 जुलाई 2018 को पार्टी कार्यकर्ता अनिरुद्ध शुक्ल व दिनेश कुमार ने अपने मोबाइल पर एक वीडियो क्लिप दिखाया था, जिसमें राहुल गांधी गृह मंत्री अमित शाह को हत्यारा कह रहे थे। विजय मिश्र ने मजिस्ट्रेट को दिए अपने बयान में कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आरोप निरस्त होने के बाद राहुल गांधी का यह बयान राजनीतिक स्टंट है, जिससे वह अपमानित महसूस कर रहे हैं। इस बयान से पार्टी के लोग भी आहत होकर बीजेपी छोड़ देने की बात कर रहें हैं। ये बयान बंगलुरु में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान का बताया गया है। जो जस्टिस लोया की मौत से जुड़े तथ्यों को लेकर थे। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने भी क्लीन चिट दी है। परिवादी व दो गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर राहुल गांधी पर मानहानि का केस चलाया जा रहा है।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 जनवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को राहत दी है। साल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान चायबासा में राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह को लेकर टिप्पणी की थी। टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज किया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने गांधी की अपील पर जवाब मांगते हुए झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी किया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आज ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह को हत्यारा कहने वाले बयान पर बीजेपी कार्यकर्ता ने केस दर्ज किया था। भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने शाह के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए 2019 में गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

आजम खां परिवार को पांच मार्च तक मिली राहत, पत्नी समेत बेटा–बेटी कोर्ट में पेश

रामपुर (आभा)। शत्रु संपत्ति की जमीन के रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के मामले में सपा नेता आजम खां की पत्नी तजीन फात्मा और बड़े बेटे अदीब आजम व उनकी बहन निकहत अखलाक सोमवार को कोर्ट में पेश हुईं। कोर्ट ने अब पांच मार्च तक के लिए अंतरिम जमानत स्वीकार कर ली है।

शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में रिकॉर्ड रूम के सहायक अभिलेखपाल मोहम्मद फरीद की ओर से सिविल लाइंस थाने में नौ मई 2020 को लखनऊ के पीरपुर हाउस निवासी सैयद आफाक अहमद व अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में हेराफेरी करने का आरोप है।

दरअसल, यह मामला मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी परिसर के अंतर्गत आने वाली भूमि का है। जो इमामुद्दीन कुरैशी पुत्र बदरुद्दीन कुरैशी के नाम दर्ज थी। इमामुद्दीन कुरैशी 1947– 48 में भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे। इसके बाद यह संपत्ति शत्रु संपत्ति के रूप में सन 2006 में भारत सरकार के कस्टोडियन विभाग के अंतर्गत दर्ज कर ली गई थी। रिकॉर्ड की जांच करने पर यह मामला प्रकाश में आया कि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में जालसाजी कर शत्रु संपत्ति को खुर्द–बुर्द करने के लिए आफाक अहमद का नाम गलत तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में अंकित कर दिया गया तथा पन्ने फटे हुए पाए गए थे।

इस मामले में विवेचना के बाद सपा नेता आजम खां, पत्नी तजीन फात्मा, बेटे अब्दुल्ला आजम, अदीब आजम, बहन निखहत अखलाक समेत ट्रस्ट के पदाधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में आजम की पत्नी तजीन फात्मा, बड़े बेटे अदीब आजम व बहन निखहत अखलाक की कोर्ट ने सोमवार तक की अंतरिम जमानत दी थी।

सोमवार को तीनों एमपी–एमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट में हाजिर हुए। कोर्ट ने तीनों की अंतरिम जमानत पांच मार्च तक के लिए बढ़ा दी है।

पहले दिन की परीक्षा हुई पूरी, परीक्षार्थी बोले- जो पढ़ा था वही आया

लखनऊ (आभा)। यूपी बोर्ड की परीक्षा पहले दिन सोमवार को सकुशल सम्पन्न हो गईं। पूरे प्रदेश में परीक्षा की निगरानी के लिए अलग–अलग जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए। पहले दिन दोनों ही पालियों ने हिंदी की परीक्षा सम्पन्न हुई। दूसरी पाली में परीक्षा देकर निकले परीक्षार्थी काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि जो पढ़ा था वो ही आया। पेपर अच्छा हुआ है। वहीं, कंट्रोल रूम में सुल्तानपुर के एक सेंटर में नकल की शिकायत मिली। मौके पर तत्काल ही जिला विद्यालय निरीक्षक को भेजा गया। लखनऊ में बने सेंटर से प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्र जोड़े गए। शहर के 127 केंद्रों पर परीक्षार्थियों की निगरानी के लिए राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में बने जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से देखरेख की जा रही है। परीक्षा केंद्रों की 14 सेक्टर में निगरानी हो रही है। एक कम्प्यूटर पर 13 परीक्षा केंद्र ऑनलाइन हैं। हर केंद्र के लिए आवंटित कोड के अनुसार क्रमवार केंद्रों की स्थिति लाइव देखी जा रही। इस बार कक्ष निरीक्षकों के पहुंचने का समय भी कंट्रोल रूम से लाइव चेक किया गया है। आधा दर्जन केंद्रों पर कक्ष निरीक्षकों को एक जगह परीक्षा कक्ष में खड़ा पाया गया। कंट्रोल रूम प्रभारी एडीएम आपूर्ति ज्योति गौतम ने परीक्षा कक्ष में मूवमेंट करने का निर्देश दिया। इस बार हर परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों के आगे और पीछे दो तरफ कैमरे से निगरानी की जा रही है। ऐसे में यदि कोई परीक्षार्थी इधर उधर मुड़कर भी देख रहा है तो कंट्रोल रूम से केंद्र व्यवस्थापकों को फटकार लगाई जा रही है। आज कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी विशाख जी ने कई केंद्रों की ऑनलाइन स्थिति को खुद परखा।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का समृद्ध होना जरूरी– डा. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रख्यात चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने महादेवा चौराहे पर शांति मेडिकल सेण्टर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरान्त क्षेत्रीय गणमान्यों को सम्बोधित करते हुये उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवायें जितनी ज्यादा समृद्ध होगी मृत्युदर उतना ही कम होगा। इसके साथ ही रोगियों और तीमारदारों का खर्च भी कम होगा।

डा. वर्मा ने कहा चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में आने वाले हर व्यक्ति के भीतर सेवा भावना का होना जरूरी है। उन्होने कहा तमाम मामलों में प्राथमिक उपचार अति महत्वपूर्ण होता है, न मिलने पर असमय मौतें हो जाती हैं। किन्तु समय से प्राथमिक उपचार मिले तो लोगों की जान बचाई जा सकती है। मेडिकल सेण्टर के संस्थापक डा. उमाकांत वर्मा ने डा. वीके वर्मा का फूल मालाओं से स्वागत किया। उन्होने कहा मेडिकल सेण्टर से दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और लोगों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जायेगा। उन्होने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मानस स्वर्णकार, चन्द्रेश्वर मणि त्रिपाठी, इंजी. केसी चौधरी, अरविन्द चौधरी, अजय चौधरी, अनिरुद्ध चौधरी, डा. रामपाल चौधरी, परवेज आलम, विमल चौधरी, उदयभान चौधरी, रविन्द्र यादव, योगेन्द्र चौधरी, विकास चौधरी, महावीर चौधरी, प्रशान्त चौधरी, आनंद चौधरी, नंदलाल, संदीप यादव, प्रेमचंद यादव, प्रमोद यादव तथा शंभू यादव आदि मौजूद रहे।

शिव रात्रि पर होगा टाटा योद्धा महादंगल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एस पी ऑटोव्हील्स व टाटा मोटर्स के सहयोग से आयोजित महायोद्धा दंगल को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता डॉ रोहन दूबे ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर तिलकपुर में स्थित प्रमुख आस्थाधाम बाबा जागेश्वर नाथ शिव मन्दिर के विशाल मेला परिसर मे 26 फरवरी को एस पी ऑटोव्हील्स प्रा लि, टाटा मोटर्स के सौजन्य से विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन होना है। जिसे लेकर आयोजकों ने तैयारी को अंतिम रूप दे दिया है। प्रशासन भी व्यवस्थाओं का लगातार जायजा ले रहा है।

26 फरवरी को होने वाले विशाल कुश्ती दंगल कार्यक्रम का शुभारंभ 26 फरवरी को दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि असम प्रभारी भाजपा हरीश दूबे जी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर एस पी ग्रुप के संस्थापक और संरक्षक एस पी दूबे जी की विशेष उपस्थिति रहेगी। इस कुश्ती दंगल आयोजन की अध्यक्षता श्री संजय दास जी महाराज, हनुमानगढ़ी अयोध्या करेंगे।

महा योद्धा दंगल में पहलवान सौरभ कुमार एशिया चौंपियन, भारत केसरी शनिराज सिंह, राष्ट्रीय पहलवान ज्ञान सहित राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, अयोध्या, खजनी के पहलवान दंगल में सम्मिलित होंगे। एस पी ऑटोव्हील्स के निदेशक आशीष दूबे के निर्देशन में हो रहे इस कुश्ती दंगल के विषय मे बताते हुए डॉ रोहन दूबे ने कहा कि इस वर्ष आयोजन को वृहद रूप दिया गया है शांतिपूर्ण व भव्य तरीके से दंगल कराने के लिए एक बड़ी टीम कार्य कर रही है।

डॉ रोहन दूबे ने बताया पिछले वर्ष से अधिक बड़ा होगा यह दंगल, उन्होंने कहा कि श्री ब्रह्मदेव कुश्ती आखाड़े खजनी के निर्देशन में हो रहा यह आयोजन बड़ा ही रोमांचकारी होगा। इस महा दंगल में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती लड़ने वाले पुरुष व महिला पहलवान आ रहे हैं। इस बार अधिक लोगों को बैठने के लिये कुर्सी और पानी आदि की व्यवस्था की जा रही है। यहां दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित राजस्थान के जाने–माने पहलवान भाग लेंगे और अपना दम–खम दिखाएंगे। इस अवसर पर समाजसेवी डॉक्टर वी के वर्मा, पंकज त्रिपाठी, भोलानाथ चौधरी आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता" —वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 फरवरी 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

राजनीति में विदेशी हाथ

भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर यू.एस.एड या यूनाइटेड स्टेट एजैंसी फॉर इंटरनैशनल डिवैल्पमैंट के माध्यम से 21 मिलियन डालर यानी 182 करोड़ रुपए आने की सूचना ने पूरे देश में खलबली पैदा की है। ट्रम्प प्रशासन के अंदर नव–निर्मित डिपार्टमैंट ऑफ गवर्नमैंट एफिशिएंसी डोजे यानी सरकारी दक्षता विभाग ने उसकी जानकारी देते हुए सूची जारी की। आरंभ में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे रोकने की घोषणा की और कहा कि भारत के पास स्वयं काफी रुपया है तो हम क्यों दें। उस समय ऐसा लगा मानो भारत द्वारा अमरीकी सामग्रियों पर लगने वाले आयात शुल्क के विरुद्ध कदम उठाए जा रहे हैं। फिर उन्होंने मियामी और उसके बाद वाशिंगटन डी.सी. के आयोजनों में कहा कि हमें भारत में मतदान बढ़ाने पर 21 मिलियन खर्च करने की आवश्यकता क्यों है? मुझे लगता है कि वे किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे। हमें भारत सरकार को बताना होगा।

क्योंकि जब हम सुनते हैं कि रूस ने हमारे देश में 2 डालर का खर्च किया है तो यह हमारे लिए बड़ा मुद्दा बन जाता है। भारत सरकार की ओर से सूचना है कि जानकारियों के आधार पर जांच आरंभ हो गई है। हमारे देश की समस्या है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र व भाजपा की राज्य सरकारों के रहते जब भी ऐसी खबर आती है तो सोशल मीडिया और मीडिया पर प्रभाव रखने वाला बड़ा वर्ग इसे गलत साबित करने पर तुल जाता है।अमरीकी राष्ट्रपति ऐसा कह रहे हैं तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता। हमारे पास भारतीय चुनाव में हस्तक्षेप को साबित करने के लिए सटीक प्रमाण नहीं हैं। कुछ तथ्यों के आधार पर इसकी विवेचना की जा सकती है। डोजे द्वारा यू.एस.एड की जारी सूची में 15 तरह के कार्यक्रम के लिए धन देने की बात है। इनमें एक दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया सुदृढ़ीकरण के लिए 48.6 करोड़ डालर यानी 4200 करोड़ का अनुदान था। इसी में भारत की हिस्सेदारी 182 करोड़ रुपए की है। बंगलादेश को मिलने वाले 251 करोड़ रुपए बंगलादेश में राजनीतिक माहौल को मजबूत करने के लिए दिए जा रहे थे। विश्व में चुनाव और राजनीतिक प्रक्रिया के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता अमरीकी प्रशासन को क्यों महसूस हुई? बंगलादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए अमरीकी सहायता राशि की जरूरत क्यों थी?

सच है कि सन् 2012 में भारत के चुनाव आयोग ने इंटरनैशनल फाऊंडेशन फॉर इलैक्टोरल सिस्टम्स के साथ एम.ओ.यू. यानी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया था। तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने इन आरोपों और समाचारों को निराधार बताया है कि आई.एफ.एस.सी. से धन आयोग को स्थानांतरित हुआ था। कहीं नहीं कहा गया है कि इसने सीधे चुनाव आयोग को पैसा दिया। इस एजैंसी को यू.एस.एड से धन मिलता था और इसका जार्ज सोरोस की ओपन सोसायटी फाऊंडेशन के साथ संबंध है। ऐसी संस्थाएं किसी माध्यम से अपनी भूमिका को वैधानिकता का आवरण देने की दृष्टि से समझौते करती हैं और फिर अपने अनुसार कार्य करती हैं। ध्यान रखिए 2012 में महत्वपूर्ण गुजरात विधानसभा चुनाव था तथा उसके पहले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर का। 2013 में पहले कर्नाटक उसके बाद मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का। भारतीय चुनावों और राजनीति में विदेशी भूमिका की बात पहली बार नहीं आई है। नरेंद्र मोदी सरकार गठित होने के बाद से इसका चरित्र और व्यवहार बदला है किंतु हमारे देश में यह बीमारी लंबे समय से है। जब देश के नेता नौकरशाही, बुद्धिजीवी, पत्रकार, एक्टिविस्ट आदि छोटे–छोटे लाभ के लिए खिलौना बनने को तैयार हो जाएं तो कुछ भी हो सकता है।

शीतयुद्ध काल में सोवियत संघ और अमरीका के बीच प्रतिस्पर्धाएं थीं। दोनों अपने प्रभाव के लिए हस्तक्षेप करते थे। भारत में 1967, 77, 80 के चुनाव में विदेशी भूमिका की सबसे ज्यादा चर्चा हुई। सोवियत संघ के विघटन के बाद मित्रोखिन पेपर नाम से ऐसी जानकारियां आईं जिनसे पढने वाले भौंचक्के रह गए थे। भारत में अमरीका के राजदूत रह चुके डेनियल मोयनिहान ने पुस्तक 'ए डेंजरस प्लेस' में लिखा है कि भारत में कम्युनिस्टों के विस्तार को रोकने के लिए अमरीका ने भारतीय नेताओं को धन दिया। सन् 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से अनेक ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनसे संदेह बढ़ा। 2019 में दोबारा उनके सत्ता में लौटने के बाद अलग तरह के स्वरूपों में आंदोलन हुए।विदेशी हस्तक्षेप की बातें भारत के अलावा दूसरे देशों और नेताओं द्वारा भी कही जा रही हैं। विश्व के अनेक देशों की चुनावी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में विदेशी शक्तियों और संस्थाओं की भूमिका सामने आती रही है। माइक्रोसाफ्ट ने डीपफेक और ए.आई. के माध्यम से भारतीय चुनावों को प्रभावित करने की कोशिशों पर चेतावनी दी थी। जांच रिपोर्ट में अगर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हों तो भले उन्हें सार्वजनिक न किया जाए किंतु भविष्य में ऐसी खतरनाक भूमिकाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिएं।

सियासी पापों पर कैसे लगाये कानून की लगाम

—कमलेश पाण्डेय—

भारत की संसदीय राजनीति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां राजनीतिक दलों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्राप्त बेहिसाब अधिकार के दुरूपयोग की जिस तरह की दुनियावी खबरें मिल रही हैं, उससे पक्ष–विपक्ष दोनों की सियासी भूमिका संदेह के घेरे में है। सुलगता सवाल है कि जब राजनीतिक दलों और उनके द्वारा ही राष्ट्रीयता विरोधी कार्रवाई की जाएगी, राष्ट्रवाद की अवधारणा को मुंह चिढ़ाते हुए जनविरोधी फैसले लिए जाएंगे और कानून बनाए जाएंगे तो फिर इसकी निष्पक्ष जांच कौन करेगा?

चूंकि भारत में जिन दलित, आदिवासी और पिछड़े मतदाताओं का बहुमत है, उनकी कानूनी शिक्षा व राजनीतिक साक्षरता उस स्तर की नहीं है, जो किसी भी लोकतंत्र की सफलता के लिए जरूरी है। इसलिए उन्हें आरक्षण, जातिवाद और साम्प्रदायिकता जैसे मुद्दों पर सियासी समूहों द्वारा बरगलाया जाता है और जनविरोधी–राष्ट्रविरोधी कुकृत्य संपादित किये जाते हैं, इसलिए प्रबुद्ध सिविल सोसाइटी का जगना बदलते वक्त की मांग है, अन्यथा देश को पुनः गुलाम होने से कोई नहीं रोक सकता।

सच कहूं तो जैसे मुगल शासक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दांवपेंच को नहीं समझ पाए और अंग्रेजों के हाथों अपनी सत्ता गंवा दी, कुछ उसी तरह की भूल हमारी निर्वाचित सरकारें एक–दूसरे दल को दबाने के लिए कर रही हैं। कोई दल अमेरिका के हाथ में खेल रहा है, तो कोई दल चीन के हाथ में। कोई पार्टी अरब मुल्कों के प्रभाव में है तो कोई पार्टी यूरोपीय देशों के प्रभाव में। यह अनुचित है और इससे बचने का एक मात्र रास्ता है कि हमलोग आओ कानून–कानून खेलें वाली प्रवृत्ति से बचें।

बेहतर तो यही होगा कि जैसे पूरे देश में एक समान मताधिकार कानून है, उसी तरह से हरेक मुद्दे पर एक समान कानून बने। इसमें जाति, भाषा, क्षेत्र, सम्प्रदाय, लिंग अथवा वर्ग मूलक आदि के नजरिए से कोई विभिन्नता पैदा नहीं की जाए और इस मामले में ब्रितानी नीतियों का ट्रू कॉपी समझे जाने वाले हमारे संविधान में अपेक्षित संशोधन किए जाएं। अन्यथा तर्क पर कुतर्क भारी पड़ेगा। लोकतंत्र महज भीड़तंत्र बनकर रह जाएगा। इसे सभ्य तन्त्र में तब्दील करना दिवास्वप्न बन जायेगा।

अमूमन, चुनावों में धनबल के बढ़ते प्रयोग और उस धन को एकत्रित करने के लिए राजनीतिक दलों व उनके प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर किए जाने वाले नीतिगत समझौते से ही भारत और भारतीयों दोनों का भविष्य प्रभावित होने लगे और मुट्ठी भर अभिजात्य लोगों की चांदी हो जाए तो फिर क्या किया जा सकता है। ये बातें मैं इसलिए छेड़ रहा हूँ कि इस बारे में सत्ता पक्ष और विपक्ष में, जो तू–तू, मैं–मैं होती रहती है, उससे अक्सर संशय पैदा होती है।

चूंकि इस आत्मघाती सियासी प्रवृत्ति को रोकने में हमारी उच्च पदस्थ कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों विफल रही है, इनके विश्लेषण में मीडिया की भूमिका भी पक्षपाती और अभिजात्य वर्गीय हितों की संरक्षक प्रतीत हुई है, इसलिए इन तमाम मामलों की निष्पक्ष जांच और अपेक्षित समतामूलक कार्रवाई के लिए ष्न्यायपालिका, कार्यपालिका, मीडिया और सिविल सोसाइटी के प्रबुद्ध, उच्च योग्यताधारी, समाजसेवा में अनुभवी और वैचारिक साख रखने वाले व्यक्तियों की एक जिम्मेदार स्वतंत्र एजेंसीष बनाये जाने और इनके प्राप्त निष्कर्षों पर जनमत सर्वेक्षण कराए जाने की जरूरत है, ताकि भारतीय संसद द्वारा बनाए गए राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और जनविरोधी कानूनों की समीक्षा समय–समय पर की जा सके।

ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि बहुमत के जुगाड़ में राजनीतिक दल जो कुछ भी फैसले लिए गए हैं या लिए जाते हैं, या लिए जाने वाले हैं उससे साफ दृष्टिगोचर हो रहा है कि ये कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना की तर्ज पर कार्य कर रहे हैं। लिहाजा, सभ्य समाज के निर्माण में इनकी भूमिका भी पक्षपाती प्रतीत होती आई है। वहीं, हमारी संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष की मिलीभगत से विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और स्वार्थपरक पेशेवर या सामाजिक–आर्थिक दबाव समूहों के हित में जो कानून बनाए गए हैं, उससे आम भारतीय यानी आम आदमी के दूरगामी हितों पर कुठाराघात पहुंचा है। इसलिए जनहित के विरोध में जो फैसले लिए गए हैं, तत्सम्बन्धी कानून बनाए गए हैं, उन्हें बदलवाने में भी उपर्युक्त एजेंसी की भूमिका को सार्थक बनाने की दरकार है।

इन बातों को समझने–समझाने के लिए यहां पर एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा हूँ। मसलन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार 20 फरवरी को कहा है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भारत में किसी और को सत्ता में लाना चाहते थे। साथ ही उन्होंने एक बार फिर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर आवंटित करने के बाइडन प्रशासन के फैसले पर सवाल उठाया। लिहाजा, इस मामले को लेकर भाजपा और कांग्रेस पुनः आमने–सामने आ गई हैं।

दरअसल, ट्रंप ने गुरुवार को मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर सम्मेलन में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बाइडन प्रशासन भारत में किसी और को निर्वाचित करने की कोशिश कर रहा था। हमें भारत सरकार को बताना होगा। हैरतअंगेज है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अक्सर विदेश दौरे पर जाकर सार्वजनिक तौर पर भारत के लोकतंत्र में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप की मांग करते हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ने फंडिंग की पुष्टि कर उनको मिल रही मदद पर मुहर लगा दी है। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने ट्रंफ को कोट करते हुए कहा कि ष्हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर खर्च करने की क्या जरूरत है। उनका बयान एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा खुलासा करने के बाद आया है।ष वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि ष्यूएस एड से जुड़े ट्रप के दावे बेतुके हैं। इस पर केंद्र श्वेत पत्र जारी करे, जिसमें दशकों से यूएसएड की ओर से सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को दिए गए सहयोग का विस्तृत विवरण हो।ष

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत और बांग्लादेश को करोड़ों डॉलर देने की क्या जरूरत है, जब एशिया अच्छा कर रहा है। ये सिर्फ कुछ फंडिंग हैं। सह सूची बहुत ही लंबी है। ऐसे में यह आवश्यक है कि भारत सरकार अमेरिका से पूरी सूची तलब करे और भारत के लोगों को पूरी जानकारी दे। इस पूरे मामले में शामिल लोगों की भूमिका की निष्पक्ष पड़ताल भी होनी चाहिए। इस बारे में जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ठीक ही कहा है कि चुनाव आयोग को उन रिपोर्टों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए कि अमेरिका ने भारत के चुनावों में मतदाता भागीदारी बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ अमरीकी डॉलर खर्च किए हैं।

यदि आप इस मुद्दे पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि मामला बहुत गम्भीर है। इससे हमारे लोकतंत्र पर सवाल पैदा होता कि क्या उसका रिमोट कंट्रोल विकसित देशों के धनबल के पास है। शायद इसलिए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश रची है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का हवाला देते हुए प्रसाद ने कहा कि भारत में मतदान को प्रभावित करने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर आवंटित किए गए थे। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस का भारतीय चुनावों को प्रभावित करने के लिए विदेशी फंडिंग से संबंध है। भाजपा नेता ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि महात्मा गांधी की विरासत पर दावे करने वाली पार्टी द्वारा ऐसा किया जाना बेहद दुखद और शर्मनाक है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना करने के लिए ट्रंप की ताजा टिप्पणी और 2023 में ब्रिटेन में दिए गए राहुल गांधी के बयान के ऑडियो क्लिप चलाए।

इससे बौखलाई कांग्रेस ने अमेरिकी संस्था यूएसएड से जुड़े हालिया विवाद तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा है कि इस पर केंद्र सरकार श्वेत पत्र लाए। साथ ही कांग्रेस ने केंद्र से आग्रह किया कि इस संस्था द्वारा भारत के सरकारी तथा गैर–सरकारी संस्थानों को दिए गए सहयोग का विस्तृत ब्योरा देते हुए श्वेत पत्र जारी किया जाना चाहिए। वहीं, पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यूएसएड के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किए जा रहे दावे बेतुके हैं। फिर भी केंद्र को जल्द इस मामले में एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

अब जरा सोचिए कि यह कितनी गम्भीर बात है। यह तो महज एक बानगी है जिसके सबूत भारत सरकार ने नहीं बल्कि अमेरिकी सरकार ने दिए हैं। वहीं, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और भारत की कांग्रेस पार्टी के बीच सत्ता में रहते हुए हस्ताक्षरित एमओयू में शामिल विषयों के बारे में भी भाजपा अक्सर कांग्रेस से सवाल पूछती आई है। वहीं, अपने देश के कथित धर्मनिरपेक्ष दलों के अरब कनेक्शन, वामपंथी पार्टियों के रूसी–चीनी कनेक्शन, समाजवादी दलों के यूरोपीय कनेक्शन आदि पर समय समय पर सवाल उठते आए हैं।

इससे साफ है कि भारतीय संसद द्वारा देश में लागू नई आर्थिक नीतियों के आलोक में और विदेशी पूंजी निवेश को आकर्षित करने के लिए जो कतिपय जनविरोधी कानून बनाए गए हैं, उसकी समीक्षा होनी चाहिए। ऐसा इसलिए कि इन कानूनों के लागू होने के बाद जहां पूंजीपतियों की मनमानी बढ़ी है, वहीं आम नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों की पेशेवर दुश्वारियां भी।

जरा गौर कीजिए, किसानों–मजदूरों–कारीगरों से जुड़े पुराने व नए कानूनों पर, नौकरी–पेशा लोगों से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, विभिन्न उद्यमों से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, राष्ट्रीय संसाधनों के उपयोग से जुड़े पुराने और नए कानूनों पर, सरकारी और निजी कम्पनियों से जुड़े पुराने व नए कानूनों पर, तफरका आपको स्पष्ट नजर आएगा। इसके अलावा, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, तकनीकी आयामों, जनसुविधाओं आदि से जुड़े विभिन्न विषयों पर गौर कीजिए तो साफ महसूस होगा कि जहां इनकी कीमतें अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हैं, वहीं इनकी गुणवत्ता हीन सेवाओं, स्वार्थलोलुप षड्यंत्रों की जनहितैषी मोनिटरिंग करने वाला महज खाना पूर्ति कर रहा है।

वहीं, इन मुद्दों पर न्यायपालिका, नौकरशाही और मीडिया की चुप्पी भी हैरतअंगेज है। शायद लोकपाल के गठन में भी ऐसे ही लोग बाधक हैं। खुद लोकपाल के मुखर प्रवक्ता और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी जबतक मुख्यमंत्री रहे, लोकपाल की नियुक्ति को अपने खिलाफ समझे। जबकि ऐसी ही कांग्रेस–भाजपा की सोच की वो सार्वजनिक निंदा करते आए हैं। वहीं, अक्सर आरक्षण और साम्प्रदायिकता पर सियासत करने वाले राजनीतिक दलों का उपरोक्त विभिन्न मुद्दों पर अनजान बने रहना यह दर्शाता है कि वो जानबूझकर नासमझ बन रहे हैं ताकि वैश्विक और देशी अभिजात्य वर्षों का आर्थिक व प्रशासनिक हित सधता रहे। ऐसे में भगवान भरोसे चल रहे भारतीय लोकतंत्र से क्या वाकई राम राज्य संभव है या फिर सुझाई गई निष्पक्ष एजेंसी का गठन करने का वक्त आ गया है, यक्ष प्रश्न समुपस्थित है।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं

ए.आई. वर्चस्व के लिए वैश्विक संघर्ष

—मनीष तिवारी—

हाल ही में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अमरीकी उप–राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने एक स्पष्ट भाषण में यूरोप के नेताओं को लोकतंत्र के पवित्र प्याले का गठन करने वाले मूलभूत सिद्धांतों के बारे में उनके कपट के लिए फटकार लगाई। हालांकि वेंस के भाषणों में राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान वैचारिक अलगाववाद को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया गया था। एक बार फिर इस बात पर जोर देते हुए ट्रम्प प्रशासन द्वारा ए.आई. सहयोग पर पैरिस घोषणा पर हस्ताक्षर न करने के निर्णय से उपरोक्त धारणाएं स्पष्ट हो गईं, कि सहयोग की बजाय प्रतिस्पर्धा ही ए.आई. वर्चस्व के लिए राजनीतिक और भू–रणनीतिक दौड़ का दृष्टिकोण होगा।

दुनिया भर के देश ए.आई. में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, इसे भविष्य की आर्थिक और सैन्य ताकत की आधारशिला के रूप में पहचान रहे हैं। चीन ने 2030 तक ए.आई. में 150 बिलियन डॉलर निवेश करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जबकि रूस ने 2021 और 2023 के बीच 181 मिलियन डालर आबंटित किए हैं। संयुक्त राज्य अमरीका ने संघीय ए.आई. अनुबंधों में नाटकीय उछाल देखा, जो 2022 में 355 मिलियन डालर से बढ़कर 2023 में 4.6 बिलियन डालर हो गया। इसके अतिरिक्त, सऊदी अरब ने हाल ही में 40 बिलियन डालर के ए.आई. फंड की घोषणा की। इस बीच, राज्य के नेतृत्व वाली पहलों के समर्थन से चीन 2030 तक अमरीका से आगे निकलने के लिए दृढ़ संकल्पित है। डीपसीक–वी3 तकनीक द्वारा संचालित चीनी डीपसीक ए.आई. सहायक की सफलता और पश्चिम में इसके द्वारा बजाई गई खतरे की घंटी ए.आई. के क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत का संकेत है।

दक्षिण कोरिया और इसराईल जैसे छोटे देश हार्डवेयर, साइबर सुरक्षा और सैन्य अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने स्वयं के ए.आई. क्षेत्र बना रहे हैं। हालांकि, वैश्विक ए.आई. शासन खंडित बना हुआ है, जैसा कि पैरिस ए.आई. शिखर सम्मेलन 2023 में अमरीका और यू.के. जैसे प्रमुख खिलाडियों के दृष्टिकोण में अंतर और विरोधाभास से स्पष्ट होता है।

खोए अवसरों की कहानी रूअपने मजबूत आई.टी. क्षेत्र के बावजूद, भारत में स्पष्ट और प्रभावी ए.आई. रणनीति का अभाव है। भारत में ए.आई. मिशन जैसी सरकारी पहलों ने अभी तक कोई खास प्रभाव नहीं डाला है और ए.आई. अनुसंधान और विकास में निवेश अपर्याप्त है। जुलाई, 2024 में पेश किए गए भारत के आध्थक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.64 प्रतिशत आर.एंड डी. को आबंटित करता है, जो चीन के 2.41 प्रतिशत और इसराईल तथा दक्षिण कोरिया जैसे देशों द्वारा खर्च किए जाने वाले 4–5 प्रतिशत से काफी कम है। भारत ने ए.आई. मिशन के लिए बजट 2024–25 में 551.75 करोड़ से घटाकर 173 करोड़ रुपए कर दिया, जबकि 2025–26 के लिए 2000 करोड़ रुपए का प्रस्तावित बजट अनुमान है, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक स्तर से अभी भी काफी कम है।

चेंज इंजन की एक रिपोर्ट में भारत को ए.आई. अनुसंधान योगदान में 14वें स्थान पर रखा गया है, जो वैश्विक योगदान का सिर्फ 1.4 प्रतिशत है, जबकि यू.एस. और चीन क्रमशरू 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत योगदान के साथ सबसे आगे हैं। इस बीच, हांगकांग, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे छोटे देशों ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस अंतर को पाटने के लिए, भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा को उन्नत ए.आई. अनुसंधान के लिए स्नातकों को तैयार करने के लिए विकसित किया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का सुझाव है कि एक प्रतिस्पर्धी स्थिति को सुरक्षित करने के लिए, भारत को अगले 5 वर्षों में अपने ए.आई. अनुसंधान उत्पादन को कम से कम 50 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहिए।भारत की ए.आई. महत्वाकांक्षाएं बुनियादी ढांचे की कमी से बाधित रू एक संपन्न ए.आई. पारिस्थितिकी तंत्र एक मजबूत सैमीकंडक्टर और कम्प्यूटिंग उद्योग पर निर्भर करता है।

आतंकवादी का कोई धर्म नहीं

—राकेश कुमार आर्य —

यदि हम इस समय भारत सहित वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टिपात करें तो पता चलता है कि सारा संसार इस समय एक अघोषित युद्ध की विभीषिका में झुलस रहा है । आतंकवाद के नाम पर एक वर्ग के लोग निर्दोष लोगों का खून बहाना और अपना मजहबी विस्तार करना अपनी विरासत का एक अनिवार्य अंग मानते हैं। वास्तव में निर्दोष लोगों का रक्त बहाकर उन लोगों ने जिस प्रकार अपना विस्तार किया है, वह उनके लिए इस समय एक मार्गदर्शक अनुभव है। उस अनुभव की पिछली कई शताब्दियों से शेष संसार के लोग आलोचना करते आ रहे हैं। परंतु उन पर इस प्रकार की आलोचनाओं का कोई प्रभाव नहीं हुआ । इसके विपरीत ये लोग इस प्रकार का विमर्श बनाने में भी सफल रहते हैं कि आतंकवाद मात्र मुट्ठी भर लोगों की सोच है । इस्लाम का आतंकवाद से दूर–दूर का भी संबंध नहीं है। इस दुष्प्रचार के लिए उनके पास एक पूरी फौज होती है , जो केवल इसी मोर्चे पर लड़ती है कि आतंकवाद को इस्लाम के साथ न जोड़ा जाए।

अली सिना अपनी पुस्तक ' अंडरस्टैंडिंग मुहम्मद और मुस्लिम ' में लिखते हैं कि 11 सितंबर सन 2001 के बाद 13 वर्षों में 24300 आतंकी हमले हुए । परिणाम स्वरुप पूरे संसार में सैकड़ों हजारों नागरिकों की मृत्यु हुई और चोट पहुंची । औसतन प्रतिदिन पांच आतंकी हमले हुए। आक्रमणकारी अपराधकर्ता कोई दैत्य नहीं थे, अपितु मुसलमान ही थे। अपने मजहब में उनका विश्वास था और उसके अनुसार ही उन्होंने यह काम किया । ऐसी ही सोच वाले दसियों करोड़ और भी हैं , जो वह सब भी वही करने के लिए तैयार बैठे हैं। वह लिखते हैं कि इस्लाम अपनी सफलता के लिए आतंकवाद का ही ऋणी है।

विद्वान लेखक की इस बात में बहुत ही बल है कि ' इस्लाम आतंकवाद का ऋणी है।' आज जितने भर भी देशों में इस्लाम का परचम लहरा रहा है, वहां कभी सनातनी हिंदुओं का वर्चस्व था। धीरे–धीरे सनातन के लोगों में जड़ता ने प्रवेश किया और वे कई स्थानों पर दोराहे की बजाए चौराहे पर आते चले गए। उनकी किंकर्तव्यविमूढ़ की स्थिति का लाभ इस्लाम और ईसाई मत के लोगों ने कहीं तलवार से तो कहीं प्यार से, कहीं बहला फुसलाकर तो कहीं लालच देकर उठाने में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस्लाम ने आतंकवाद के माध्यम से लोगों का भयादोहन करके ही अपना विस्तार किया है। जब तथ्य चीख चीखकर सच्चाई को बयां कर रहे हों, तब भी कुछ लोग यदि यह ना कहें कि इस्लाम और आतंकवाद का चोली दामन का साथ है तो निश्चित रूप से उनकी बुद्धि पर तरस ही आता है।

अली साहब हमें बताते हैं कि मदीना में अपना कदम रखने के साथ ही मोहम्मद ने अपने आतंक का अभियान आरंभ कर दिया था, तब से उनके अनुयाई भी यही करते चले आ रहे हैं।

भारतीय मान्यता में किसी पर घात लगाकर हमला करना नैतिकता और मानवता के विरुद्ध है, जबकि इस्लाम इसे जायज मानता है। वीरता इसी में है कि शस्त्रयुक्त व्यक्ति से ही युद्ध किया जाए । इतना ही नहीं, जिस पर जैसा हथियार है वैसा ही हथियार वाला व्यक्ति उससे युद्ध करे।

जब 10 वर्ष में 24300 आतंकी हमलों का एक कीर्तिमान एक वर्ग विशेष के लोगों के नाम अंकित हो और प्रतिदिन पांच आतंकी हमले संसार में हो रहे हों , तब विश्व शांति की बात करना कितना उचित हो सकता है ?– यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। यह तथ्य और भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग प्रतिदिन की पांच आतंकवादी घटनाओं को लगभग जीवन का एक अनिवार्य अंग मान चुके हैं । तभी तो इतने निर्मम अत्याचारों पर कोई चर्चा नहीं होती। चर्चा को पूर्व नियोजित योजना के अंतर्गत इस प्रकार विषयांतरित कर दिया जाता है कि आतंकवादी का कोई मजहब नहीं होता और आतंकवाद इस्लाम की मूल भावना के विपरीत है। टी0वी0 चैनलों पर या समाचार पत्रों में इस विषय में जो भी चर्चाएं होती हैं, उनमें कितने ही लोग आपको इसी प्रकार के विमर्श के इर्द–गिर्द घूमते लेख लिखते हुए या चर्चा करते हुए मिल जाएंगे।

सिन्होरा खरीद कर जा रहे दूल्हे के बड़े पिता की सड़क हादसे में मौत, पिता घायल

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के खजुरिया के समीप सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। बरात निकलने से पहले सिन्होरा खरीद कर ले जा रहे दूल्हे के बड़े पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि पिता घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। उधर मंगलगीत के बीच परिवार में चीत्कार मच गया। कार्यक्रम छोड़ कर लोग अस्पताल पहुंच गए। परिवार के लोगों को रोता देख वहां मौजूद अन्य लोगों की भी आंखें भर आई। तरकुलवा थाना क्षेत्र के ग्राम मुजहनाघाट निवासी बृजराज मिश्र के बेटे अभिषेक मिश्र की खुखुंदू थाना क्षेत्र के मकुनही में शादी तय थी। सोमवार को बरात जाने वाली थी। हल्दी समेत अन्य रस्म पूरी की जा रही थी। जबकि बृजराज अपने बड़े भाई सुयेश मिश्र के साथ बाइक से देवरिया सिन्होरा समेत अन्य सामान की खरीदारी करने के लिए चले गए। सामान की खरीदारी करने के बाद दोनों भाई अपने घर लौट रहे थे। अभी वह खजुरिया के पास पहुंचे थे कि अचानक से एक युवक तेज बाइक लेकर आ गया। उसे बचाने के दौरान उनकी बाइक पलट गई और यह लोग नीचे गिर गए। इस बीच पीछे से जा रहे ट्रक ने भी खसीट दिया। जिससे सुयेश मिश्र गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों के सहयोग से दोनों भाई को उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने सुयेश मिश्र को मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोग बरात निकालने की तैयारी में जुटे हुए थे। मटकोड़ व हल्दी की रस्म पूरी हो चुक्की थी। अन्य कार्यक्रम भी मंगलगीत के बीच पूरे किए जा रहे थे। अचानक हादसे में दूल्हे के बड़े पिता की मौत की सूचना घर पहुंची तो परिवार के लोग दहाड़ मारकर रोने लगे। बरात जाने की तैयारी में जुटे ग्रामीण भी चीत्कार सुन दरवाजे पर पहुंच गए और परिवार के लोगों को रोता देख उनकी भी आंखें भर आई। सुयेश मिश्र विंध्याचल में रहकर दुकान चलाते थे। जबकि उनका इकलौता बेटा गुड्डू शिक्षक है। भतीजे अभिषेक की शादी होने के चलते वह एक सप्ताह पहले गांव आए थे। बरात सज–धज कर ले जाने व भतीजे की शादी में समधी बनने का उनका सपना था। लेकिन भगवान को यह मंजूर नहीं था और हादसे में उनकी मौत हो गई। पिता की मौत की सूचना मिलते ही बेटा गुड्डू दहाड़ मारकर रोने लगा। वहां पत्नी उमा देवी रोते–रोते बेहोश हो जा रहीं थी। भाई बृजराज का भी रोते–रोते बुरा हाल हो गया था।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए मोटे अनाज महत्वपूर्ण

संवाददाता–श्रावस्ती,। स्वस्थ्य के लिए मोटे अनाज का महत्व समझाने के लिए सरकार की ओर से श्रीअन्न योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मोटे अनाज के महत्व बताए जा रहे हैं। एसएसबी कैम्प में सेमिनार का आयोजन कर लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के लिए मोटे अनाज का महत्व समझाया गया। 25वीं वाहिनी मुख्यालय घिटोरनी नई दिल्ली में आयोजित मिलेट्स कार्यक्रम का सोमवार को लाइव प्रसारण 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में किया गया। जिसकी अध्यक्षता कमांडेन्ट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने की। कार्यक्रम में एसएसबी अधिकारियों, जवानों व संदीक्षा परिवार ने लाइव प्रसारण देखा और जीवन में मोटे अनाज का महत्व समझा। कमांडेंट ने बताया कि लाइव प्रसारण में भारत के वैज्ञानिक व मिलेट मैन के नाम से प्रसिद्ध पदमश्री डा खादर वल्ली दुदेकुला ने मोटे अनाज के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

वर्चुवल माध्यम से उन्होंने समझाया कि मोटे अनाजों में प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और विटामिन होता है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक है। यह कुपोषण, एनीमिया और अन्य कमियों से लड़ने में मदद करता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे ये मधुमेह और हृदय संबंधी बीमारियों के प्रबंधन में मदद करते हैं। मोटे अनाजों से पाचन तंत्र में सुधार होता है और गैस, कब्ज, एसिडिटी जैसे पेट के रोग नहीं होते। मोटे अनाजों को उगाने में उत्पादन लागत कम आती है। इसके साथ ही यह कई तरह से लाभदायक है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए मोटा अनाज बेहद महत्वपूर्ण है।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। साप्ताहिक बाजार से घर लौट रहे साइकिल सवार वृद्ध को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार वृद्ध गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों की ओर से एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शंकर नगर कोटिया निवासी खेलावन (68) पुत्र निरहू रविवार को साइकिल से साप्ताहिक बाजार सामान की खरीदारी करने गए थे। शाम को वह बाजार से घर वापस जा रहे थे। इस दौरान असनहरिया पुलिस चौकी क्षेत्र में रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध खेलावन गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों की ओर से पुलिस व परिजनों के साथ ही एम्बुलेंस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने एम्बुलेंस से घायल वृद्ध को संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने घायल वृद्ध को मृत घोषित कर दिया।

बाइक से गिरकर छात्र की मौत, साथी घायल, 10वीं की परीक्षा देकर लौट रहे थे

संवाददाता–बहराइच। यूपी बोर्ड की परीक्षा देकर लौट रहे बाइक सवार दो छात्र नवाबगंज थाना क्षेत्र के रिक्खी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर गिर गए। परिजन उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज आए जहां उपचार के दौरान एक छात्र की मौत हो गई जबकि दूसरे घायल छात्र का इलाज चल रहा है। राहगीरों के मुताबिक बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने था।

कोतवाली नानपारा के शंकर इंटर कालेज में पढ़ने वाले फुलवरिया निवासी बाइक सवार सोहेल खान (17) अपने साथी मोहम्मद वाहिद (17) के साथ सोमवार को बोर्ड परीक्षा देने नवाबगंज थाना क्षेत्र के परीक्षा केंद्र जवाहरलाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज गए थे। परीक्षा देकर घर वापस लौटते समय नानपारा–नवाबगंज मार्ग पर रिक्खी मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित होने से गिरकर घायल हो गए। पुलिस ने घायल छात्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चौगड़वा नवाबगंज पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों छात्रों को मेडिकल कॉलेज लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में सोहेल की मौत हो गई जिससे परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कक्षा आठ के छात्र की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। विद्यालय में रहकर पढ़ाई कर रहे कक्षा आठ के छात्र की रात में अचानक तबियत खराब हो गई। आनन फानन में छात्र को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गिलौला थाना क्षेत्र के कस्बा गिलौला में संचालित सुर भारती निगम विद्यापीठ गुरुकुल में बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली बलरामपुर निवासी अशोक कुमार मिश्र (14) पुत्र पवन कुमार मिश्र कक्षा आठ का छात्र था। उसके साथ उसका बड़ा भाई मोहित भी विद्यालय में कक्षा 10 में अध्ययनरत है। दोनों विद्यालय के छात्रावास में रह कर पढ़ाई कर रहे थे। रविवार शाम को खाना खाने के बाद अशोक अपने कमरे में लेटा था। देर रात अचानक उसे उलटी आने लगी और तबियत बिगड़ गई। जानकारी होने पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से छात्र को आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गिलौला में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर सुबह इकौना एसडीएम ओम प्रकाश, सीओ सतीश कुमार शर्मा, गिलौला थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री पुलिस टीम के साथ सीएचसी पहुंचे। जानकारी होने पर छात्र के पिता व अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजन शव का पोस्टमार्टम को राजी नहीं थे। पुलिस के समझाने के बाद परिजन पीएम के लिए राजी हुए। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि अभी मौत की वजह स्पष्ट नहीं है।

आठ घंटे की जगह 10–10 घंटे में लोगों को पहुंचा रही रोडवेज की बसें

संवाददाता–देवरिया। प्रयागराज में लगे महाकुंभ में कुंभ यात्रियों को पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने बसों की संख्या बढ़ा दी है। हालांकि जगह–जगह लग रहे जाम के चलते रोडवेज की बसों को रफ्तार नहीं मिल रही है।

आठ घंटे की जगह कई बसों को प्रयागराज पहुंचने में 10–10 घंटे लग जा रहे हैं। जाम में बसों के फंसने के चलते कुंभ यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

13 जनवरी से प्रयागराज के संगम तट पर महाकुंभ आयोजित है। महाकुंभ में स्नान करने के लिए हर दिन जिले से बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज जा रहे हैं। यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेल प्रशासन की तरफ से ट्रेन तो परिवहन निगम बसों की सेवाएं दे रहा है। प्रयागराज तक जगह–जगह वाहनों का रेला होने के चलते जाम की स्थिति उत्पन्न हो जा रही है।

जिसके चलते परिवहन निगम की बसें भी उसमें फंस जा रही हैं। बरहज क्षेत्र के चंदन तिवारी ने बताया कि वह बस से प्रयागराज गए थे। लौटते समय उन्हें 10 घंटे से अधिक का समय लग गया। आजमगढ़ में भी जाम की समस्या झेलनी पड़ी। जबकि आठ घंटे में ही रोडवेज की बस देवरिया पहुंच जाती है। इसी तरह की बात भटनी क्षेत्र की गुंजन मिश्र ने भी बताई। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में भी जाम की समस्या झेलनी पड़ रही है।

कुंभ यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशन व रोडवेज परिसर में भी दिखी। सदर रेलवे स्टेशन के साथ ही भटनी व सलेमपुर रेलवे स्टेशन पर भी लोगों की लंबी लाइन दिखी। यहां ट्रेन में चढ़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। रोडवेज परिसर में भी कुंभ यात्री बड़ी संख्या में नजर आए। यहां से 46 बसों को प्रयागराज के लिए यात्रियों को लेकर रवाना किया गया।

मांगों को लेकर मिल कर्मियों ने भरी हुंकार, विरोध प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। गड़ौरा चीनी मिल के कर्मचारी सोमवार को अपनी मांगों को लेकर लामबंद हो गए। मांगों को लेकर हुंकार भरते हुए कर्मचारियों ने मिल गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन से अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सुबह आठ बजे से विरोध प्रदर्शन के दौरान मिल कर्मी अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। करीब 12.30 बजे यूनिट हेड विजय पाल सिंह के मान–मनौव्वल व लिखित आश्वाशन के बाद मिल कर्मचारी काम पर वापस लौटे। इसके बाद जाकर मिल प्रबंधन ने राहत की सांस ली। पूर्वांचल चीनी मिल मजदूर यूनियन गड़ौरा मिल शाखा के अध्यक्ष डॉ. नवल किशोर मिश्र ने बताया कि मिल प्रबंधन द्वारा वेज बोर्ड के नियमों की अनदेखी की जा रही है। वेज बोर्ड अंतर्गत तैनात स्टोर क्लर्क महिला सरिता सिंह को काम से निकाल दिया गया है, जिसको तत्काल काम वापस बुलाया जाय। कहा कि वर्ष 2018 से एरियर के भुगतान, पीएफ सहित ओवरटाइम के भुगतान में हीलाहवाली की जा रही है। पीएफ कटौती के हर माह जमा कराने, बिना कारण नोटिस दिए किसी कर्मचारी को काम से ना निकलने सहित अन्य कई मांगो को लेकर प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि इसके लिए मिल प्रबंधन को चार बार नोटिस दिया जा चुका है। बावजूद अभी तक मिल प्रबंधन द्वारा लेटलतीफी की जा रही है।

विरोध प्रदर्शन की सूचना पर पहुंचे यूनिट हेड विजय पाल सिंह ने प्रदर्शन कर रहे पूर्वांचल चीनी मजदूर यूनियन के कर्मचारियों से मिलकर वार्ता की। वहीं मजदूरों समस्याओ से अवगत होकर मिल मालिक जवाहर जायसवाल से रायशुमारी के बाद मिल मालिक की सहमति पर समस्याओं के समाधान के लिए लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद जाकर विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

पांच साल से कटी है सड़क नहीं कराया गया मरम्मत

संवाददाता–बहराइच। सिरसिया विकास क्षेत्र की सड़कों की स्थिति काफी दयनीय है। कहीं बाढ़ आने पर पूरी सड़कें कट गई हैं तो कहीं सड़क तालाब का रूप धारण किए है। विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारी के प्रति उदासीन बने हुए हैं। जर्जर सड़कों के चलते कई बार ग्रामीण दुर्घटनाओं का शिकार भी हो जाते हैं। स्थानीय लोगों ने कई बार जिम्मेदारों से सड़कों को दुरुस्त कराने की मांग भी की लेकिन सुनवाई नहीं की गई।

भिनगा लक्ष्मनपुर मार्ग से बंठिहवा मोड़ से पिपरहवा को जाने वाली सड़क छह महीने पहले आई बाढ़ में कई जगह आधी कट कर बह गई है। इस सड़क से सम्हारपुरवा, अग्गापुर, पिपराहवा, बहादुरपुर, गोड़पुरवा, सेमरी तरहर सहित दर्जनों गांवो के लोग भिनगा मुख्यालय पहुंचते हैं।

लेकिन करीब 6 महीने पहले आयी बाढ़ मे सड़क कई जगह कट कर पानी के साथ बह गयी। लेकिन जिम्मेदारो ने इस मार्ग की सुधि नहीं ली ग्रामीणों को मजबूरन इसी जोखिम भरे सड़क पर सफर करना पड़ता है चार पहिया वाहन तो कभी कभी गड्ढे में ही फंस जाते है। दुधवनिया के पास सड़क पूरी तरह से बह गई और अपने साथ पुलिया भी बह गई।

दुधवनिया गांव के बाहर पहाड़ी नाला बहता है जो बरसात मे उफान पर होने से गांवो में बाढ़ का पानी आ जाता है और सड़को पर घुटनो से ऊपर पानी का तेज बहाव शुरू हो जाता है जिससे ग्रामीण गांव के कैद हो जाते है और गांव के चारो तरफ पानी ही पानी दिखाई देता है। आवागमन भी बंद हो जाता है यदि विभागीय अधिकारी नाले की सफाई करा दे तो बाढ़ का पानी गांव में नहीं पहुंचेगा।

श्रेत्रवासी राम शंकर, संतोष कुमार, मनोज कुमार, श्रवण कुमार, पप्पू यादव, प्रदीप कुमार आदि लोगों ने बताया की बाढ़ से कटी सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। नाले में आए उफान का पानी सड़क के लिए घातक हो जाता है। यह सड़क भिनगा लक्ष्मणपुर मार्ग से सेमरी तरहर से सेमरी क्षेत्र को जोड़त्ज्ञ है।

दिव्य महाकुंभ व चंद्रयान मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

संवाददाता–बहराइच। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में सोमवार को इनोवेशन की नई पहचान थीम पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्रों ने एक से बढ़कर एक मॉडल पेश किए। इसमें चंद्रयान व दिव्य महाकुंभी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। अतिथियों ने इसकी सराहना करते हुए मेधावियों का उत्साहवर्धन किया। इसके पहले प्रदर्शनी का उद्घाटन अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रावस्ती निर्दोष कुमार ने किया। उन्होंने प्रत्येक छात्र के मॉडल को देखा और उनसे संबंधित प्रश्न पूछे।

छात्रों की ओर से प्रस्तुत मॉडलों में कई अद्भुत और नवाचारी कृतियां देखने को मिलीं। महाकुंभ का मॉडल प्रयागराज के महाकुंभ जैसा बनाया गया। यह अतिथियों व अभिभावकों को अत्यंत आकर्षक लगा। इसके अलावा प्राथमिक वर्ग के शिक्षकों की ओर से डिजनीलैंड का एक सुंदर रूपांकन किया गया। छात्रों ने चंद्रयान और अंतरिक्ष से जुड़े मॉडलों का भी शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के निदेशक पंकज अग्रवाल, रनीश जैन ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। प्रधानाचार्या अनिता सक्सेना ने कहा कि यह प्रदर्शनी बच्चों के सार्वजनिक अभिव्यक्ति कौशल, सहयोगात्मक कार्य, आत्मविश्वास, आलोचनात्मक एवं रचनात्मक सोच को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अधिकारियों ने लाभार्थियों को सौंपा चेक

संवाददाता–बहराइच। इण्डियन बैंक अंचल कार्यालय बहराइच की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लाभार्थियों को चेक प्रदान किया गया। अंचल कार्यालय के वित्तीय समावेशन विभाग के अभिषेक यादव, उप अंचल प्रमुख निरंजन कुमार, मुख्य प्रबंधक चन्दन कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमाधारक करामत खान के नॉमिनी सुहेल खान, प्रदीप कुमार की नॉमिनी दीपशीखा, राजेन्द्र प्रसाद के नॉमिनी सुरसती को 2–2 लाख रुपए का चेक सौंपा। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अन्तर्गत दुर्गेश कुमार शुक्ला के नॉमिनी राम कुमार, मोहम्मद अतीक की नॉमिनी रूमी को भी चेक प्रदान किया गया। इण्डियन बैंक के कार्यपालक निदेशक एसबी सिंह, सीजीएम सुधीर कुमार गुप्ता की वर्चुअल उपस्थिति में अंचल प्रमख कृष्ण चन्द्र साहू जी ने चेक प्रदान किया।

गेट पर सघन तलाशी के बाद मिला प्रवेश, कंट्रोल रूम से मानीटरिंग

संवाददाता–महराजगंज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा सोमवार से शुरू हो गई है। जिले के111 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल हुई। कोई परीक्षार्थी नकल करते नहीं पकड़ा गया। गेट पर सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश मिला और पूरे परीक्षा कंट्रोल रूम से मानीटरिंग होती रही। पहले दिन की परीक्षा में पहली पाली में हाईस्कूल के हिन्दी, प्रारंभिक हिंदी व पहली पाली में इंटरमीडिएट के सैन्य विज्ञान की परीक्षा हुई। दूसरी पाली में हाईस्कूल को हेल्थ केयर व इंटरमीडिएट का हिन्दी, सामान्य हिन्दी की परीक्षा हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक व दूसरी पाली की परीक्षा 2:00बजे से 5:15 बजे तक हुई। परीक्षा केंद्रों पर कुल 72 हजार 606 परीक्षार्थी परीक्षा पंजीकृत रहे। इसमें हाईस्कूल के 40119 व इंटरमीडिएट के 32487 परीक्षार्थी हैं। परीक्षा शुरू होने से पहले मुख्य गेट पर ही आंतरिक दल द्वारा परीक्षार्थियों की पूरी तलाशी ली गई। उसके बाद ही अंदर प्रवेश दिया गया। गेट पर प्रवेश पत्र और भौतिक रूप से मौजूद छात्र का फोटो भी मिलान किया गया। जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, सचल दल की गाड़ियां परीक्षा केंद्रों पर दौड़ती रहीं। लेकिन कोई परीक्षार्थी नकल करते नहीं पकड़ा गया। कंट्रोल से से भी परीक्षा केंद्रों के कक्षों की गतिविधियों की मानीटरिंग होता रही। आला अधिकारी केन्द्रों का जायजा लेते रहे।

कृषि मेले में बेल, मूली, ब्रोकली एवं इंदिरा शिमला मिर्च बनी आकर्षण

संवाददाता–बलरामपुर। विकास भवन परिसर में सोमवार को दो दिवसीय कृषि मेले का शुभारंभ डीएम पवन अग्रवान व सीडीओ हिमांशु गुप्ता ने फीता काटकर किया। मेले में कृषि विशेषज्ञों ने जिले में उगाई गई आर्गेनिक सब्जियों के बारे में जानकारी दी। सदर विकास खंड की बेल, सिरसिया की इंदिरा शिमला मिर्च, जिगना गांव की ब्रोकली, सोनपुर की मूली आकर्षण का केंद्र रही। उपकृषि निदेशक नरेंद्र कुमार ने बताया कि मेले में आए किसानों को विभाग की तरफ से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला उद्यान अधिकारी संतोष कुमार दुबे ने उद्यान विभाग से मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी। जिला कृषि अधिकारी पीसी विश्वकर्मा ने कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में बताया।

महाशिवरात्रि को लेकर शिवालयों में भव्य तैयारियां

संवाददाता–बहराइच। शहर स्थित पांडवकालीन श्रीसिद्धनाथ, मटेरा के जंगली नाथ, नवाबगंज के मंगलीनाथ, पयागपुर के बागेश्वर नाथ में होंगे भव्य आयोजन बहराइच,संवाददाता। महाशिवरात्रि को लेकर शहर व ग्रामीण इलाकों के मंदिरों, घरों में भव्य सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा। जिले के पांडव कालीन शिवालयों में महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद है। डीएम और एसपी ने प्रमुख मंदिरों में तैयारियों व सुरक्षा बंदोबस्त का जायजा लिया है।

शहर के छावनी स्थित राम जानकी पंचायती मंदिर के पुजारी पंडित राधा कृष्ण पाठक ने बताया कि 26 फरवरी को सुबह 11रू08 बजे से महाशिवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी। समापन 27 फरवरी को सुबह 08:54 मिनट होगा। शहर स्थित अति प्राचीन पांडव कालीन श्री सिद्धनाथ मंदिर में महंथ महामंडेलेश्वर रवि गिरी महाराज की देख रेख में महाशिवरात्रि के भव्य आयोजन होंगे। 25 फरवरी की आधी रात में मंगला आरती के बाद श्रद्धालुओं को जलाभिषेक को मंदिर के कपाट खोल दिए जाऐंगे। इसके अलावा शहर के रामघाट मंदिर स्थित शिवालय से शिव बारात, भंडारा आयोजित होगा। शहर स्थित श्याम मंदिर, रिसिया, मटेरा, नानपारा, पयागपुर में स्थित शिवालयों में सोमवार रात जन्माष्टमी पर शाम से भव्य आयोजन शिव संकीर्तन के साथ होंगे।

पांडव कालीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक एवं पूजा अर्चन करेंगे। नवाबगंज थाना मुख्यालय से दो किलोमिटर दूर स्थित प्रसिद्ध पांडवों कालीन मंगली नाथ शिव मंदिर में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर मेले का आयोजन होगा। मंदिर के मुख्य पुजारी राजकुमार ने बताया कि श्रद्धालुओं के जलाभिषेक लिए प्रातः तीन बजे से मंदिर के गर्भगृह को खोल दिया जाएगा। देर रात शिव विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी समिति अध्यक्ष रिंकू सिंह व सदस्यों ने पहले से कर ली गई है।

चार अलग–अलग मार्ग दुर्घटनाओं में मासूम समेत तीन की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। चार अलग–अलग हुई मार्ग दुर्घटनाओं में मासूम बच्ची समेत तीनों लोगों की मौतें हुई हैं। पचपेड़वा कोतवाली क्षेत्र में मासूम बच्ची की पिकअप से टकराकर मौत हुई है। वहीं पुलिया के नीचे बाइक गिरने पर एक युवक की मौत हुई। बलरामपुर चीनी मिल के यार्ड में सोए युवक पर किसी ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिससे कुचलकर उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के क्रम में महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो गोंडा जिला स्थित दतौली चीनी मिल निकट गन्ना भरे ट्राला से लड़ गई जिसमें सात श्रद्धालु घायल हुए हैं। चारों दुर्घटनाओं में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी दुर्घटनाएं रविवार रात हुई हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पहली दुर्घटना पचपेड़वा कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत विशुनपुर कोड़र में रविवार देर शाम हुई है। यहां के निवासी परशुराम की तीन वर्षीय पुत्री लक्ष्मी सड़क पटरी पर खड़ी थी। तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पचपेड़वा ले गए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पिकअप का पता लगाया जा रहा है। दूसरी दुर्घटना ललिया थाना क्षेत्र के कोड़री हरिहरगंज मार्ग स्थित कोड़री बाजार के निकट रविवार रात हुई है।

टेढ़वा निवासी 27 वर्षीय जीवन लाल पुत्र प्रताप के चार साल की बेटी का रविवार को जन्मदिन था। जीवनलाल थाना महराजगंज तराई निवासी अपने साले 24 वर्षीय रोहित कुमार के साथ सामान खरीदने बलरामपुर आए थे। लौटते समय बाइक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकराते हुए नीचे गिर गई। जीवन लाल की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल रोहित को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। कोड़री के प्रधान प्रतिनिधि चौधरी अजीत सिंह ने घायल को अस्पताल भेजवाया। प्रभारी निरीक्षक नगर कोतवाली ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है जबकि ललिया के कोतवाल बृजानंद सिंह ने घटना की जानकारी होने से इंकार किया है।

तीसरी दुर्घटना नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित चीनी मिल यार्ड में हुई है। भोजपालपुर थाना इटियाथोक जिला गोंडा निवासी 40 वर्षीय जाहिद अली पुत्र सहाबुद्दीन बलरामपुर चीनी मिल में गन्ना तौल कराने आए थे। गन्ना तौल होने में देरी थी, इसलिए वह यार्ड में ही जमीन पर सो गए। किसी ने ट्रैक्टर स्टार्ट कर दिया, जिससे उनकी पहिए के नीचे दबकर मौत हो गई। कोतवाली नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर चालक का पता लगाया जा रहा है।

महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन रविवार रात मनकापुर दतौली चीनी मिल के पास गन्ने के ट्राले से टकरा गया। बोलेरो में बैठे सात लोग घायल हो गए। सभी घायल तुलसीपुर थाना क्षेत्र स्थित भंगहा कला गांव के रहने वाले हैं। चांदे प्रसाद ने बताया कि उनका पुत्र राघव गांव के ही नंदकुमार, राजेश, अनिल, चिंताराम, पंकज व कल्लू दो दिन पहले प्रयागराज महाकुंभ स्नान करने गए थे। रविवार सुबह वे महाकुंभ से घर के लिए बोलेरो गाड़ी से रवाना हुए। दतौली चीनी मिल के निकट उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर गन्ना भरे ट्राले से टकरा गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए मनकापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। राघव की हालत गंभीर होने पर उसे गोंडा इलाज के लिए रेफर किया गया है। तुलसीपुर के एसडीएम अभय सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिली है। घायलों की हर संभव मदद की जाएगी।

यातायात प्रभारी के रवैए के खिलाफ लामबद हो रहे ट्रक ऑपरेटर्स

संवाददाता–बहराइच। सरकारी अनाज ढुलाई में लगे वाहनों का नियम विरुद्ध चालान काटने के यातायात प्रभारी के रवैए पर ट्रक ऑपरेटर्स लामबद हो रहे हैं। वाहन संचालकों का कहना है कि बैठक में तय हुए मुद्दे के विपरीत मनमाने तरीके से ताबड़तोड़ वाहनों का चालान किया जा रहा है। इसको लेकर वाहन संचालक चक्का जाम करने की रूपरेखा तैयार करने में जुटे हुए हैं। पिछले 15 दिनों में 50 से अधिक ट्रकों पर भारी भरकम जुर्माना लगाया गया है। जिले में भारतीय खाद्य निगम के राजकीय भंडार गृह बसंतापुर से सरकारी कोटे के अनाज को कोटेदारों तक पहुंचाने के लिए ट्रक लगे हुए हैं। यह ट्रक बहराइच–लखनऊ हाईवे के किनारे गोदाम के पास खड़े हो रहे थे, लेकिन कैसरगंज में पिछले दिनों हुए हादसे के बाद यातायात प्रभारी की निंद्रा टूटी थी। वह सड़क किनारे खड़े वाहनों का चालान कर दिए थे। इस पर संचालकों ने आपत्ति जताते हुए डीएम के समक्ष अपना पक्ष रखा था। जिसमें गोदाम में वाहन खड़े करने की मांग की गई थी। कुछ दिन तक गोदाम में वाहन खड़े कराए गए। इसके बाद फिर हाथ खड़े कर लिए गए। अब वाहन टोल प्लाजा के आसपास खड़े हो रहे थे। आरोप है कि सीओ की पहल पर यातायात प्रभारी ने दो दिन पहले अपने कार्यालय पर ट्रक ऑपरेटर्स यूनियन के पदाधिकारियों से वार्ता किया। बेवजह वाहन चालान न करने का आशवासन दिया। लेकिन बैठक खत्म करने के बाद बहराइच– बलरामपुर हाईवे के दुलारपुर टोल प्लाजा पर खड़े कई वाहनों का फिर चालान कर दिया। इसको लेकर ट्रक ऑपरेटर्स ने कड़ी आपत्ति जताई है। राधेश्याम ने कहा कि मामले को उच्चाधिकारियों के पटल पर रखा जाएगा। क्योंकि व्यक्तिगत रूप से यातायात प्रभारी कार्रवाई कर रहे हैं। टोल मैनेजर से भी वह प्रार्थना पत्र देने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।ट्रकों के चक्का जाम होने से सरकारी अनाज आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। बृजेश कुमार मिश्र, यातायात प्रभारी ने कहा कि नियम विरुद्ध सड़कों के किनारे वाहनों को खड़ा करने पर ही चालान किया जाता है। व्यक्तिगत चालान करने का आरोप बेबुनियाद है।

शारदा संगोष्ठी व वार्षिक उत्सव का आयोजन

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया के उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया।

जिसमें अच्छी उपस्थिति और पढ़ाई करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। वहीं अभिभावकों को भी जागरूक किया गया। वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारम्भ खंड शिक्षाधिकारी सिरसिया राज किशोर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन पुष्प अर्पण कर किया। इसके बाद छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से कार्यक्रम का आगाज किया। जिसके बाद छात्र छात्राओं की ओर से गीत, संगीत और नृत्य के साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुत किए गए। जिसे देख लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान एबीएस की ओर से अच्छी उपस्थिति व मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूल से बाहर के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का काम कर रही है। निपुण भारत मिशन, आपरेशन कायाकल्प, डीबीटी और मध्याह्न भोजन योजना जैसी पहल से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपने शत–प्रतिशत बच्चों के नामांकन सरकारी स्कूल में कराने की अपील की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अयोध्या प्रसाद राणा, दीपक केसरवानी, करुनेन्द्र शर्मा, ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

गोड़धोइया नाले में मिट्टी के नीचे दबने से दो मजदूर की मौत

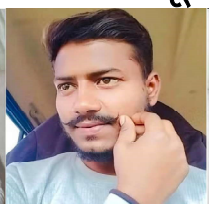

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के सेमरा नम्बर दो के पास स्थित गोडधोईया नाले के खुदाई के दौरान अंडर ग्राउंड केबिल कट गई थी, जिसको जोड़ने के लिए दो मजदूरों लगभग 25 फिट गड्ढे में जाकर तार जोड़ रहे थे। उसी समय नाले के किनारे के मिट्टी के ढेर के नीचे दबकर मौत हो गयी।ं मिली जानकारी के अनुसार बलिया जिले सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के बिच्छी बोझ पंदह निवासी नीतीश कुमार गौड़ (22) पुत्र केशव गौड़ और अयोध्या जिले के बीकापुर थाना क्षेत्र के सराय खर्गी टोला महम्मद भारी निवासी मनोराम यादव(33) पुत्र राममूरत यादव रविवार की शाम 7: 25 फिट गड्ढे में जियो फाइबर का तार जोड़ रहे थे। उसी समय मिट्टी का ढेर दोनों मजदूरों पर गिर गया। [आनन फानन में दोनों घायलों को मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मनोराम यादव को सहकर्मी एम्स लेकर चले गए, जहां डॉक्टरों ने मनोरमा को भी मृत घोषित कर दिया।

रात 12 बजे गुलरिहा पुलिस को सूचना मिली तो रात में एम्स जाकर शव को मेडिकल कालेज की मर्चरी गृह में रखवा दिया गया। परिजनो का आरोप है कि जियो फाइबर कम्पनी का कोई सुपरवाइजर या जिम्मेदार वहां उपस्थित नहीं था। मजदूरों को मिट्टी के ढेर के नीचे काम करने के लिए भेज दिए यह पूर्ण रूप से लापरवाही है।

बड़े बकायेदारों पर नगर निगम ने कसा शिकंजा, होटल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर छापा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या नगर निगम ने हाउस टैक्स के बड़े बकायदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिन बड़े बकायेदारों ने टैक्स नहीं जमा किया है उनकी प्रॉपर्टी अटैच करने के लिए नगर निगम ने अभियान चलाना शुरू कर दिया है। सोमवार को नगर निगम की टीम ने रिकाबगंज स्थित शहर के जाने–माने अलका राजे होटल व अलका टावर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर छापा मारा। सहायक नगर आयुक्त ने टीम के साथ छापा मारकर प्रॉपर्टी अटैच करने की चेतावनी दी। अलका राजे होटल व अलका टावर पर लगभग 38 लाख रुपए टैक्स बकाया है। सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडेय ने बताया कि शहर के जितने भी बड़े बकायेदार हैं, उनके यहां छापे की कार्रवाई की जाएगी। टैक्स न जमा न करने पर उनकी प्रॉपर्टी अटैच की जाएगी। वहीं, दूसरी तरफ अलका राजे होटल के प्रबंधक राम भुवन तिवारी ने बताया कि टैक्स के बिल में कुछ गड़बड़ी थी, जिसको संशोधित कराया गया था। 15 लाख रुपए टैक्स तुरंत जमा कर दिया गया है। शेष टैक्स जमा करने के लिए मार्च तक का समय दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र के नौगढ़–बांसी मार्ग पर सूपा चौराहा के पास रविवार की देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के सूपाघाट गांव निवासी मजनू उर्फ अखिलेश (23) पुत्र सुरेंद्र व दिनेश (24)पुत्र सर्वजीत रविवार की शाम बाइक से जोगिया में मोबाइल बनवाने आए थे। मोबाइल बनवाने के बाद देर रात वापस घर जा रहे थे। अभी वह सूपा चौराहा के पास पहुंचे ही थे कि किसी वाहन ने उन्हें रौंद दिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की जानकारी होते ही मृतकों के परिवारीजनों में कोहराम मच गया। जोगिया कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी गई है।

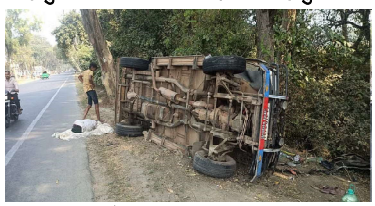

राम मंदिर के दर्शन करके प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं का वाहन टकराया, 10 श्रद्धालु घायल

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में रामलला के दर्शन करके वापस प्रयागराज लौट रहे तेलंगाना के 10 श्रद्धालु सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। श्रद्धालुओं का वाहन एक कार से आमने–सामने टकराने के बाद पलट गया। श्रद्धालुओं के वाहन में 12 श्रद्धालु सवार थे। इसमें 10 श्रद्धालु घायल हुए। पांच को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जबकि पांच श्रद्धालुओं का ओपीडी में ही इलाज कराया गया। हादसा थाना पूराकलंदर के रोडवेज वर्कशॉप के पास प्रयागराज हाईवे पर हुआ। बताया गया कि सभी श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ का दर्शन कर प्रयागराज में महाकुंभ स्नान किया। इसके बाद में अयोध्या पहुंचकर रामलला का दर्शन पूजन किया। दर्शन पूजन के बाद सभी 12 श्रद्धालु वापस प्रयागराज लौट रहे थे तभी प्रयागराज हाईवे पर थाना पूराकलंदर के रोडवेज वर्कशॉप के पास सामने से आ रही कार से श्रद्धालुओं का वाहन टकरा गया। इसके बाद दोनों वाहन पलट गए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर उनका उपचार किया गया। कार सवार दो अन्य लोग भी सड़क दुर्घटना में घायल हुए हैं।

अपने ही घर से नहीं निकल पा रहे लोग –सपा

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को लेकर स्थानीय लोगों को दिक्कतें हो रही हैं। जिला प्रशासन की बंदिशें अयोध्या धाम के स्थानीय लोगों पर भारी पड़ रही हैं। एक तरफ महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने जिला प्रशासन से वार्ता कर बंदिशों को कम करने का प्रयास किया है तो वहीं, सोमवार को समाजवादी पार्टी ने भी इस मुद्दे को जोर शोर से उठाया है। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। पवन ने कहा कि कुंभ के दौरान अयोध्या में भारी भीड़ आ रही है तो श्रद्धालुओं को भी सुगमतापूर्वक जिला प्रशासन दर्शन कराए। वहीं, स्थानीय लोगों का भी ख्याल रखें। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में रहने वाली प्रभु राम की प्रजा भाजपा की सरकार में उत्पीड़न का शिकार हो रही है। इस समय यूपी बोर्ड का एग्जाम शुरू हो चुका है। लगभग सवा महीने से अयोध्या धाम के बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। अव्यवस्थाओं के चलते स्कूल लगातार बंद चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में अव्यवस्था का जिम्मेदार जिला प्रशासन है। अयोध्याधाम की गलियों को बंद कर दिया गया है। अगर कोई बीमार है तो अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। अयोध्या धाम के रहने वालों को ही अपने घर से निकलने नहीं दिया जा रहा है। सुरक्षाकर्मी उन्हें गाली देते हैं और उन पर लाठी बरसाते हैं।

जिले में हैं 113 केंद्र, बोर्ड परीक्षाएं शुरू, डीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक दिन पहले ही डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों को सचेत किया था कि अगर कहीं से कोई शिकायत मिलेगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसका भौतिक सत्यापन करने और परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की जांच करने परीक्षा शुरू होते ही डीएम महेंद्र सिंह तंवर खुद पहुंच गए ध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा सोमवार से शुरू हो गई। परीक्षा की सुचिता और निष्पक्षता को बनाये रखने के लिए डीएम महेंद्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा के लिए जिले में 113 केंद्र बनाए गए हैं, जहां पर कुल 55,388 परीक्षार्थी शामिल हुए हैं।

एक दिन पहले ही डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारियों को सचेत किया था कि अगर कहीं से कोई शिकायत मिलेगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हर केंद्रों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। इसका भौतिक सत्यापन करने और परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की जांच करने परीक्षा शुरु होते ही डीएम खुद पहुंच गए। साथ में एसपी भी थे। सोमवार को यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर मीडिएट की परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। इसके लिए सभी 113 परीक्षा केंद्रों पर तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रश्न पत्र तीन दिन पूर्व ही केंद्रों पर पहुंचा दिए गए थे। जो डबल लॉक में रखे गए हैं। परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में उसे खोला जाएगा। वह भी सीसीटीवी की निगरानी में रहेगा।

बेटे के पास गए थे लखनऊ, चोरों ने मकान खंगाला

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके के असुरन स्थित भेड़ियागढ़ में एक सप्ताह से बंद मकान का ताला तोड़कर चोर नगदी समेत लाखों के गहने समेट कर फरार हो गए। पड़ोसी की सूचना पर रविवार को लखनऊ से वापस पहुंचे पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। शाहपुर पुलिस रविवार को अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

खड़े ट्रक से कार टकराई चार घायल जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गोबरहिया मोड़ पर खड़े ट्रक से सोमवार भोर में महाकुंभ से लौट रही एक कार टकरा गई। हादसे में गोरखपुर फर्टीलाइजर इलाके के रहने वाले कार सवार सत्यम (16), धर्मेन्द्र कुमार (40), सोनू चौधरी (40) और आरव (5) घायल हो गए। टहलने निकले लोगों ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से स्वास्थ्य केंद्र गगहा पहुंचाया। जहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

स्वास्थ्य केंद्रों पर बने वार रूम का नोडल अधिकारी करेंगे निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग के सभी केंद्रों पर वार रूम बनाया गया है। अब यह सभी वार रूम नोडल अधिकारी की निगरानी में होंगे। इसके लिए सीएमओ ने आठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाकर वार रूम के निरीक्षण का जिम्मा सौंपा है। यह अधिकारी सप्ताह में कम से कम एक दिन निरीक्षण कर व्यवस्था को देखेंगे। इसके बाद रिपोर्ट सीएमओ को सौंपेंगे। दरअसल, डीएम डॉ. राजा गणपति आर के निर्देश पर नवंबर 2024 में जनपद के मेडिकल कॉलेज व समस्त ब्लॉक स्तरीय सीएचसी–पीएचसी पर डेडिकेटेड वार रूम बनाया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस वार रूम के माध्यम से सातवें, आठवें व नौवें माह वाली गर्भवती, समस्त हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) व ई–रूपी वाउचर वाली गर्भवती का फॉलोअप कर संस्थागत प्रसव/ सीजेरियन प्रसव के संदर्भ में जानकारी देना है। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा लाभार्थी हित में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जन समुदाय के बीच जागरूकता फैलाना है। इस कार्य को वार रूम में रोस्टर वार तैनात कर्मचारी कर भी रहे हैं। डीएम ने वार रूम का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। इसमें आठ नोडल अधिकारियों को जिम्मा सौंप कर निर्देशित किया गया है कि सप्ताह में कम से कम एक बार आवंटित ब्लॉकों के स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर वार रूम, एनबीएसयू, प्रसव कक्ष व ओटी का निरीक्षण कर रिपोर्ट सीएमओ को सौंपे। सीएमओ ने सीएमएस डॉ. एके झा को मेडिकल कॉलेज, डिप्टी सीएमओ डॉ. आरजी सिंह को इटवा–खुनियांव, डॉ. एमएम त्रिपाठी को डुमरियागंज– भनवापुर, डॉ. वीएन चतुर्वेदी को शोहरतगढ़–बढ़नी, डॉ. शेषभान को खेसरहा–बसंतपुर (बांसी), डॉ. संजय गुप्त को नौगढ़– उस्का बाजार, डॉ. आशीष अग्रहरि को बर्डपुर–लोटन व नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी डॉ. प्रशांत मौर्य को जोगिया–मिठवल ब्लॉक का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा लेबल– चार के चिकित्सक डॉ. डीके चौधरी, डॉ. प्रमोद कुमार व डॉ. आरके शर्मा को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह तीनों चिकित्सक भी हर सप्ताह कम से कम एक वार रूम, एनबीएसयू, प्रसव कक्ष व ओटी का निरीक्षण कर सीएमओ को रिपोर्ट सौंपेंगे। डॉ. रजत कुमार चौरसिया, सीएमओ ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्युदर को कम करने के उद्देश्य से ब्लॉक सीएचसी–पीएचसी व मेडिकल कॉलेज में वार रूम बनाया गया है। वार रूम की गतिविधियां नियमित चलें, इसके लिए ब्लॉक वार नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। इन सभी को स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है।

आमी नदी पर पक्का पुल निर्माण, कसिहार में कट खोलने की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। किसान कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव अविनाश पति त्रिपाठी और जिला अध्यक्ष हरिसेवक त्रिपाठी ने सोमवार को मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा के कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर सोहगौरा के पास आमी नदी पर पक्का पुल और एनएच 24 पर कसिहार के पास कट खोलने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि गगहा थाना क्षेत्र में कई किसानों की जमीनें आमी नदी के दूसरी तरफ हैं। आने–जाने के लिए किसान बांस–बल्ली के पुल का इस्तेमाल करते हैं। यह बारिश के दिनों में काफी जोखिम भरा होता है। इसके अलावा बताया कि एनएच 24 से गंतव्य के लिए कोई समुचित कट न होने से जनता परेशान है। कसिहार, मलाव, मझगांवा गांव में किसानों की खेती ताल में है। बैरिकेडिंग के कारण किसानों को डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस दौरान विनीत पाण्डेय, संजय उर्फ लारा आदि मौजूद रहे।

28 फरवरी को होगी सरकारी गन्ना विकास समिति की बैठक

संवाददाता–संतकबीरनगर। सहकारी गन्ना विकास समिति खलीलाबाद में आगामी 28 फरवरी को बोर्ड की बैठक होगी। नए चेयरमैन के साथ सभी डायरेक्टर भी शिरकत करेंगे। आयोजित बैठक में पुरानी कार्रवाईयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सहकारी गन्ना विकास परिसर में जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए गन्ना विकास परिषद से अग्रिम धन लेकर उसे किराए पर उठाने के लिए भी चर्चा की जाएगी। परिसर का बाउंड्रीवाल का निर्माण कराने के लिए विधायक व सांसद निधि से सहयोग लेने पर भी चर्चा होगी। परिसर काफी नीचा हो गया है। इसकी वजह से बारिश के दिनों में पानी भर जाता है। इस परिसर में मिट्टी गिरवाने के लिए भी बैठक में मंथन किया जाएगा। समिति के कर्मचारियों को छठा वेतन मान दिए जाने पर चर्चा होगी। समिति के दक्षिण और पश्चिम की ओर दुकानों का निर्माण व आवंटन भी किया जाएगा। इस पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024–25 में किए गए खर्च के साथ चुनाव व्यय की संस्तुति और स्वकृति पर भी विचार किया जाएगा।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025–484 दिनांकः 24.02.2025

:–अल्पकालीन ई–निविदा सूचना :–

निम्नलिखित नवीन सम्पर्क मागों के कार्यो हेतु ई निविदायें दिनाक 11.03.2025 को मण्डी परिषद एवं PWD, R.E.D. U.P.R.N.N., तथा UPPCL विभाग में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ अनुभवी ठेकेदारो से निविदायें आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनाक 11.03.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। टेण्डर डाक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनाक 11.03 2025 की अपरान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचन, नियम व शर्त एवं अन्य विवरण कार्यालय तथा सरकार की वेबसाइट www.etender. up.nic.in पर देखी पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है–

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि माह में	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
जनपद बस्ती के अन्तर्गत									
49	बस्ती	बस्ती से सेमरियावां केशवापुर हटवा माग्र से ग्राम नरही तक 2025_RKUMP_1010667_1	32.50	3.25	5800	02	90	द	अ,ब,स,द

नोटः–

1– धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा सांऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

5– मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकःमु०अभि०–2/ (1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांकः 17. 11.2022 द्वारा जारी आदेश / निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोडकर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्घात्मक दरें प्राप्त करने के उददेश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी०ए० द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

6– उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म भी प्रतिभाग कर सकती है।

7– उपरोक्त तालिका में अंकित अ एवं ब श्रेणी से सम्बन्धित कार्यों हेतु PWD, R.E.D, U.P.R.N.N तथा UPPCL विभाग में सामान्य श्रेणी अर्थात 'अ' एवं 'ब' श्रेणी के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ही निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकते है।

उप निदेशक (निर्माण)

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील 41/2024

ज्ञानमती देवी
बनाम
रामहित

1/2 दिनेश 1/3 गनेश 1/4 लाल चन्द्र पुत्रगण स्व0 रामहित 2. मिठाईलाल पुत्र गंगाराम 3. जय प्रकाश गुप्ता पुत्र रामहित गुप्ता
–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग
4. दुर्गा प्रसाद पुत्र राम अचल साकिनान मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं– 13/2025
ओम प्रकाश –सायलान
1. ओम प्रकाश उम्र करीब 32 वर्ष 2. विजेन्द्र कुमार उम्र करीब 38 वर्ष पुत्रगण नन्द प्रसाद 3. अंजली त्रिपाठी उम्र करीब 28 वर्ष 4. पूनम उम्र करीब 42 वर्ष 5. ऊषा उम्र करीब 45 वर्ष पुत्रीगण नन्द प्रसाद 6. श्रीमती सुमित्रा उम्र करीब 65 वर्ष पत्नी नन्द प्रसाद निवासीगण ग्राम सन्तपुर उर्फ गदहाखोर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 07–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कस्बे के आजादनगर वार्ड में एक किराए के मकान में रह रहे शिक्षक के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियों के सहयोग से आग पर काबू पाया। डुमरियागंज क्षेत्र के एकघरवा गांव निवासी नरेंद्र त्रिपाठी शिक्षक हैं और बांसी के आजादनगर वार्ड में अमित श्रीवास्तव के मकान की पहली मंजिल पर किराए पर कमरा लेकर रहते हैं। वह सोमवार की सुबह छह बजे बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी करने डुमरियागंज चले गए। इसी दौरान उन्हें मोहल्ले के लोगों ने फोन पर सूचना दी कि उनके घर में आग लग गई है। इसी बीच मोहल्ले के लोगों ने फायर सर्विस और पुलिस को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। वहीं घटना की सूचना पाते ही नरेंद्र त्रिपाठी बांसी पहुंच गए। उन्होंने बताया कि लाखों का सामान जल गया है। घटना के बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 549/2021
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मन्जू यादव
बनाम
दिनेश कुमार आदि

1. दिनेश कुमार उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र मोहना लाल 2. लालजी उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र राम मुकुर 3. श्रीमती सुनीता उम्र लगभग 46 वर्ष पत्नी ओम प्रकाश निवासीगण ग्राम फूलपुर तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com